पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – वेद निरूक्त एवं वैदिक साहित्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'वृषलः' का क्या अर्थ है ?
2. 'सहस्रशीर्षा' का क्या अर्थ है ?
3. 'अवधीत्' का क्या अर्थ है ?
4. 'ईशावास्योपनिषद्' का शान्ति पाठ कहाँ से लिया गया है ?
5. 'विजानतः' का क्या अर्थ है ?
6. जैकोबी के अनुसार ऋग्वेद रचनाकाल का समय क्या है ?
7. कृष्ण यजुर्वेद का ब्राह्मण ग्रन्थ कौन-सा है ?
8. वेदांगों की संख्या कितनी है ?

खण्ड—ब

9. 'यः सुन्वते पचते' मन्त्र का भाव स्पष्ट कीजिए।
10. 'विश्वस्य हि प्राणनं' मन्त्र का भाव स्पष्ट कीजिए।
11. 'तत्र चतुष्ट्वं नोपपद्यते' की व्याख्या कीजिए।
12. 'न कर्म लिप्यते नरे' की विधिवत् व्याख्या कीजिए।
13. 'हिरण्मयेन पात्रेण' का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
14. तैत्तिरीय आरण्यक का परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. अग्नि सूक्त के आधार पर अग्निदेव के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
16. अक्ष सूक्त में निहित सामाजिक संदेश की विवेचना कीजिए।
17. आचार्य यास्क की निर्वचन पद्धति पर प्रकाश डालिए।
18. श्वेताश्वर उपनिषद् का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. इन्द्र सूक्त द्वारा इन्द्र के स्वरूप की क्या विशेषता है ?
20. सृष्टि की रचना में पुरुष देवता की भूमिका का वर्णन कीजिए।
21. आचार्य यास्क की निर्वचन पद्धति को प्रकाशित कीजिए।
22. यजुर्वेद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. अग्नि देव के विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों की विवेचना कीजिए।
24. वैदिक साहित्य में ब्राह्मण ग्रन्थों का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – पालि प्राकृत एवं भाषा विज्ञान **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

निम्नाि◌त प्रश्नों में जिस विकल्प को आप सही मानते हैं उसको उत्तरपुस्तिका पर लिखिये :

1. (i) जिसके अन्दर सत्य, धर्म, धैर्य एवं त्याग चार धर्म हैं वह शत्रु को अभिभूत कर सकता है।
   (ii) जिसके अन्दर त्याग और धर्म है वही शत्रु को अभिभूति कर सकता है।
   (iii) जिसके अन्दर सत्य और धैर्य है वही शत्रु को अभिभूत करता है।
   (iv) जिसके अन्दर सत्य और धर्म है वही शत्रु को अभिभूत कर सकता है।

2. (i) ब्रह्मदत्त के शासनकाल में बोधिसत्व शश योनि में उत्पन्न हुए।
   (ii) ब्रह्मदत्त के शासनकाल में बोधिसत्व गौ योनि में उत्पन्न हुए।
   (iii) ब्रह्मदत्त के शासनकाल में बोधिसत्व मनुष्य योनि में उत्पन्न हुए।

(iv) ब्रह्मदत्त के शासन काल में बोधिसत्व सिंह योनि में उत्पन्न हुए।

3. (i) शल्य सात प्रकार के होते हैं।
   (ii) शल्य पाँच प्रकार के होते हैं।
   (iii) शल्य तीन प्रकार के होते हैं।
   (iv) शल्य नौ प्रकार के होते हैं।

4. (i) महात्मा बुद्ध अपने तेज से रात-दिन तपते हैं।
   (ii) महात्मा बुद्ध अपने योग से रात-दिन तपते हैं।
   (iii) महात्मा बुद्ध अपने उपदेशों के लिये रातदिन तपते हैं।
   (iv) महात्मा बुद्ध अपनी सम्यक् दृष्टि से रात-दिन तपते हैं।

5. (i) तथागत अभ्यागत को कहा जाता है।
   (ii) तथागत भगवान बुद्ध को कहा जाता है।
   (iii) तथागत जीव को कहा जाता है।
   (iv) तथागत ईश्वर को कहा जाता है।

6. (i) भाषा की निष्पत्ति भ् धातु से होती है।
   (ii) भाषा की निष्पत्ति भा धातु से होती है।
   (iii) भाषा की निष्पत्ति भाष् धातु से होती है।
   (iv) भाषा की निष्पत्ति भास् धातु से होती है।

7. व्याकरण शास्त्र के प्रणेताओं में मुनित्रय कौन-कौन हैं ?
8. पालि किस देश की भाषा थी ?

खण्ड—ब

9. शब्द और अर्थ के सम्बन्ध की गहनता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
10. 'उलूक-जातक' कथा में क्या संदेश दिया गया है ?
11. शल्य कितने प्रकार के होते हैं ? उनके नाम लिखिये।
12. 'बक जातक' कथा के नैतिक आदर्श को उल्लिखित कीजिये।
13. सम्यक् दृष्टि तथा सम्यक् आचरण की महत्ता स्पष्ट कीजिए।
14. निम्नाि◌त पद्य का संस्कृत रूपान्तरण कीजिए :

    न ससस्स तिला अत्थि, न मुग्गा नापि तन्दुला।
    इमिना अग्गिना पक्कं ममं भुत्वा वने वसति⌋

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. निम्नाि◌त में से किन्हीं **दो** गाथाओं की व्याख्या कीजिए :
    (i) परुसो सक्रिय बन्धो पाउद बन्धो पि होउ सुकुमारो।
    पुरुष महिलाणं जेत्तिअमिहन्तरं तेत्तियमि माणं⌋
    (ii) जो धम्मत्थो जावो सो रिपुवग्गेपि कुणई खमभावं।
    ता पर दव्वं व◌जर जणणि समं गणइ परदारं⌋
    (iii) देहहो पक्खिवि जर-मरणु मा भद्र जीव करेहि।
    जो अजरामरु बम्भु परुसो अप्पाण मुणेहि⌋
16. सेतुबंध से संकलित 'रावणवहो' अंश का कथासार लिखिये।
17. आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित 'मृच्छकटिकम्' **अथवा** 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' के छठे अ◌ का सारांश अपने शब्दों में लिखिये।
18. शब्द और अर्थ क्या है ? शब्द और अर्थ का सम्बन्ध स्पष्ट कीजिये।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. वैदिक तथा लौकिक संस्कृत की सोदाहरण तुलना कीजिए।
20. निम्नाि◌त में से किन्हीं **दो** गाथाओं की व्याख्या कीजिये :
    (i) धन वा सुत वा राजा नदी वेज्जो तथा इमे।
    प◌च इत्थ न विज्जन्ति न इत्थ दिवसं वसे⌋
    (ii) मधुवा मज्जति बालो याव पापं न पच्चति।
    यदा च पच्चति पापं बालो दुःखं निगच्छति⌋
    (iii) सुख कामानि भूतानि यो दण्डेन न हिंसति।
    अन्तनो सुखमेसानो पेच्च सो लभते सुखम्⌋
21. निम्नाि◌त में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ दीजिये :
    (i) भाषा—बोली
    (ii) मागधी—अर्धमागधी

(iii) भाषा के तत्व

22. वर्णों के या शब्दों के उच्चारण स्थान तथा उनसे उच्चरित ध्वनियों का स्पष्टीकरण कीजिये।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. अर्थ विकास के कारणों पर सविस्तार प्रकाश डालिये।

24. लिपि के इतिहास की विस्तृत विवेचना कीजिये।

अथवा

भाषा और विभाषा का स्वरूप प्रस्तुत करते हुए इनमें अन्तर भी स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

H–213

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – व्याकरण एवं निबन्ध **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'दण्डेन घरः' प्रयोग में किस सूत्र से तृतीया विभक्ति हुई है ?
2. 'अलं क्षमेण' यहाँ किसे निमित्त मानकर तृतीया विभक्ति हुई है ?
3. 'रुच्' धातु के योग में कौन-सी विभक्ति होती है ?
4. 'ध्रुवमपायेऽपादानम्' सूत्र में 'अपाय' का क्या अर्थ है ?
5. 'कानच्' प्रत्यय किस लकार में होता है ?
6. 'रागः' इस प्रयोग में कौन-सा प्रत्यय है ?
7. व्याकरणाध्ययन के कितने प्रयोजन हैं ?

8. 'महाभाष्य' के रचनाकार कौन थे ?

खण्ड—ब

9. 'सम्बोधने च' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
10. 'भक्षेरहिंसार्थस्य न वार्तिक' का आशय स्पष्ट कीजिए।
11. सम्प्रदान संज्ञा विधायक के किसी **एक** सूत्र की व्याख्या कीजिए।
12. किन्हीं **तीन** कृत प्रत्ययों का नामोल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए।
13. कारक की परिभाषा लिखिये।
14. शास्त्र निर्माण निरूपण भाष्य की शंका को समझाइये।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. शब्दों के नित्यत्व एवं अनित्यत्व पर प्रकाश डालिए।
16. 'प्रज्ञः गृहम् श्राद्धकरी' को सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए।
17. प◇चमी विभक्ति प्रयोग के प्रमुख नियमों पर प्रकाश डालिए।
18. 'हेतु' अर्थ में तृतीय क्यों होती है ? सोदाहरण लिखिये।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. प्रातिपदिकार्थ विषयक विभिन्न पक्षों के मतों को स्पष्ट कीजिए।
20. दूरार्थक एवं अन्तिकार्थक शब्दों में द्वितीया, तृतीया एवं प◇चमी विभक्ति क्यों होती है ?
21. 'इलः एव ओदितश्च' सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
22. 'किमर्थो वर्णानामुपदेशः' पर भाष्य लिखिये।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. 'रक्षोहागमध्वसंदेहा प्रयोजनम्' की व्याख्या कीजिए।
24. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिये :
    (i) धर्मो रक्षति रक्षितः

(ii) वेदोऽखिलो धर्ममूलम्

(iii) रम्या रामायणी कथां

(iv) संस्कृतभाषायाः महत्वम्।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

H–214

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – भारतीय दर्शन **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'तर्कभासा' के रचनाकार का नाम लिखिये।
2. 'पीनो देवदत्तः दिवान भुङ्क्ते' किस प्रमाण का उदाहरण है ?
3. सांख्य प्रतिपादित तत्त्वों की संख्या कितनी है ?
4. प्रकृतिविकृति तत्त्वों की संख्या कितनी है ?
5. अपने-अपने विषयों से इन्द्रियों को हटा लेना क्या कहलाता है ?
6. ब्रह्मसूत्र के संकलनकर्त्ता कौन हैं ?

7. प◇चीकरण किनका होता है ?

8. अज्ञान की कितनी शक्तियाँ हैं ?

खण्ड—ब

9. षड्विध सन्निकर्षों के नाम लिखिये।

10. व्याप्ति का लक्षण लिखिये।

11. तत्त्वज्ञानानतर क्या पुरुष शरीर धारण करता है ? स्पष्ट कीजिए।

12. गुणों के नाम, स्वरूप, कार्यपद्धति तथा प्रयोजन का वर्णन कीजिए।

13. वेदान्त की परिभाषा लिखिये।

14. काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का उल्लेख कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. प◇चविध हेत्वाभास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

16. षड्विध लि◌ों पर प्रकाश डालिए।

17. सांख्यानुसार दुःखत्रय को स्पष्ट कीजिए।

18. 'त्रिविधं प्रमाणमिष्टम्' पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. बौद्ध दर्शन के चार आर्य सत्यों का विवेचन कीजिए।

20. वेदान्तानुसार प◇चकोषों का वर्णन कीजिए।

21. सांख्यानुसार पुरुषसिद्धि कीजिए।

22. त्रिविधशास्त्र प्रवृत्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. भेदोपभेद सहित अनुमान प्रमाण का विवेचन कीजिए।

24. आस्तिक दर्शनों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**